>

Title: Need to declare Jain Community as a minority community throughout the country.

श्री एकनाथ महादेव गायकवाड (मुम्बई दक्षिण-मध्य): मैं सरकार का ध्यान केन्द्रीय/कल्याण अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के 23 अक्टूबर, 1993 के आदेश की तरफ दिलाना चाहता हूं। इसी आदेश के तहत मुस्लिम, बौद्ध, पारसी, सिख, ईसाई को अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा दिया गया था। लेकिन अलग धार्मिक पहचान के साथ मापदंडों पर पूरा उतरने के बावजूद जैनों को यह दर्जा नहीं मिल पाया था। महोदया, जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक का दर्जा दिए जाने की मांग लंबे समय से चली आ रही है और कुछ राज्यों ने अभी भी जैन समुदाय को अल्पसंख्यक का दर्जा दिया हुआ है। यदि जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर भी अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा मिल जाता है तो वे न केवल अपनी अलग पहचान बनाए रखने में सफल होंगे, बल्कि अपनी सांस्कृतिक धरोहर को बेहतर तरीके से अक्षुण्ण रख सकेंगे। अतः मैं यह मांग करता हूं कि सरकार जल्द से जल्द राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम में संशोधन कर जैन समुदाय को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक समुदाय का दर्जा प्रदान करे।